उत्कल दिवस पर निकली भव्य शोभायात्रा

भगवान जगन्नाथ के भजनों पर झूमते नाचते चल रहे थे लोग

बस्तर के लोक नर्तक बढ़ा रहे थे शोभायात्रा की शोभा

जगदलपुर, 1 अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)। एक अप्रैल को उत्कल दिवस पर उत्कल समाज द्वारा नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान जगन्नाथ की झांकी के माध्यम से उत्कल दिवस के संदर्भ को आकर्षक रूप से परिभाषित किया गया । समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरसिंग तिवारी ने बताया 1 अप्रैल की शाम 7 बजे ब्राम्हण पारा स्थित उत्कल भवन से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस उत्कल भवन पहुंचा। शोभायात्रा के प्रथम पंक्ति में वाहन पर समाज के आराध्य देव भगवान जगन्नाथ जी का विशाल छायाचित्र के साथ वाहनों में छोटे-छोटे बच्चों की जीवंत झांकी रही, जिसमें बच्चे भगवान राम, सीता हनुमान एवं राधा-कृष्ण के रूप में झांकी को जीवंत रूप प्रस्तुत कर रहे थे । भव्य शोभायात्रा में समाज की बड़ी संख्या में मातृ शक्ति, पुरुष , युवक-युवती, बच्चे समेत वरिष्ठजन भी सम्मलित हुए। इस दौरान मुख्य मार्गों पर शीतल पेय की व्यवस्था समाज एवं दीगर समाज के लोगों द्वारा की गई थी। विदित हो कि बस्तर में सैकड़ों साल से उत्कल समाज के हजारों लोग निवासरत है, जो वर्षों पुरानी उड़िया संस्कृति और परंपरा को आज भी जीवित रखा है। ओडिशा राज्य के स्थापना दिवस 1 अप्रैल को बस्तर संभाग के उत्कल बन्धुओं के द्वारा उसी परम्परा का निर्वहन कर हर वर्ष 1 अप्रैल को धूमधाम के साथ उत्कल दिवस मनाया जाता है। शोभा यात्रा में काफी संख्या में उत्कल समाज के महिला पुरुष शामिल हुए। समाज अध्यक्ष नरसिंग तिवारी ने अंचल के समस्त उत्कल बन्धुओं को शोभा यात्रा को सफल बनाने पर आभार व्यक्त किया ।

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम का आगाज आज से

ओडिशा, तेलंगाना, असम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक दल उत्सव में लगाएंगे चार चांद

प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास की होगी काव्यात्मक प्रस्तुति

दंतेवाड़ा, 01 अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)। ''बस्तर पंडुम 2025'' के तहत बस्तर की समृद्ध जनजातीय परपंराओं और संस्कृतियों का बहुरंगी छटा माह अप्रैल के प्रथम सप्ताह में जिला मुख्यालय में बिखेरेंगी इस वृहद आयोजन की संपूर्ण तैयारियां लगभग पूर्ण हो चूकी है। वास्तव में वनांचलों में रहने वाले आदिवासी प्रकृति के साथ जीते है और इसी के साथ अपनी संस्कृति और सभ्यता का आनंद लेते है। इसी अमूर्त संस्कृति को सहेजने, संवारने, और अक्षुण्ण रखने के लिए राज्य शासन बस्तर पंडुम 2025 का अभिनव आयोजन कर रहा है।

इस बहुरंगी आयोजन के तहत 2 अप्रैल प्रातः 10 बजे जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा के हाई स्कूल ग्राउंड में होने वाले इस आयोजन में बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा सहित सुकमा, बीजापुर, कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर, बस्तर के आदिम जनजाति कला, संस्कृति का भव्य प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता होगी। इसके अंतर्गत बस्तर संभाग के सभी जिलों की टीमों द्वारा विभिन्न विधाओं की प्रदर्शनी के साथ-साथ देश के अन्य राज्य जैसे ओडिशा, तेलंगाना, असम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक दल अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देगें यह कार्यक्रम 2 अप्रैल को संध्या 6 बजे से प्रारंभ होगा। इसी प्रकार 3 अप्रैल को प्रख्यात कवि एवं राम कथा वाचक डॉ. कुमार विश्वास द्वारा संध्या 6 बजे ''बस्तर के राम'' पर आधारित का काव्यात्मक प्रस्तुति और कविता पाठ किया जाएगा। इसके अलावा 4 अप्रैल को विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की प्रतिस्पर्धा होगी जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

बस्तर संभाग के जिलों में इन प्रतिस्पर्धाओं के तहत इन क्षेत्रों में प्रचलित जनजातीय लोक नृत्य जैसे गेड़ी नृत्य, गौर नृत्य, ककसार, मादरी, दडामी, एबालतोर, दोरला, हुलकी पाटा, परब नाच, घोटुल पाटा, कोलांग पाटा, डंडारी नृत्यों के मध्य प्रतिस्पर्धा होगी। दूसरी और जनजातियों के लोक गीत यथा लिंगों पेन, रिलो गीत, कोटनी, जगार, मरम पाटा,का भी प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। और बेहतर प्रस्तुतिकरण के आधार पर दल विजयी घोषित किए जाएगें। बस्तर उत्सव के अन्तर्गत जनजाति लोकनाट्य माओपाटा, भतरा नाट्य, प्रमुख जनजाति वाद्ययंत्र के तहत धनकुल, ढोल, चिटकुल, तोड़ी, अकूम, बावांसी, तिरडुडी, झाब, मांदर, मृंदग, बिरिया ढोल, सारंगी, गुदुग, मोहरी, सुलुड, मुंडा बाजा, चिकारा की भी प्रस्तुतियां की जाएगी।

बस्तर पंडुम 2025 में स्थानीय खान पान के मध्य भी प्रतियोगिताएं आयोजित होगीं। चुंकि बस्तर के संस्कृति में पारंपरिक पेय पदार्थो का बड़ा महत्व होता है जो जन्म, मरण, विवाह, जैसे सामाजिक अनुष्ठानों में भरपूर उपयोग किए जाते है इसके तहत सल्फी, ताड़ी, छिन्द रस, हाडिया, पेज, कोसमा, से भी दर्षक रूबरू हो पाऐगें। इसके साथ ही स्थानीय प्रचलित व्यजंनों पर आधारित प्रतियोगिताएं भी रखी गई है।

शिल्प एवं चित्र कला की प्रस्तुतियों में घड़वा कला, मिट्टी कला, काष्ठ कला, पत्ता शिल्प, ढोकरा कला, लौह शिल्प, प्रस्तर शिल्प, गोदना शिल्प, भित्तिचित्र कला, शिसल शिल्प, कोड़ी शिल्प का संपूर्ण संभाग में बड़ा महत्व है। इस संबंध में भी क्षेत्रीय सांस्कृतिक दलों द्वारा पूरे उत्साह के साथ अपनी भागीदारी दर्शाई जाएगी। इसी प्रकार इस चार दिवसीय आयोजन में जनजातीय पारंपरिक आभूषणों जैसे लुरकी, करधन, सुतिया, पैरी, बांहूटा, बिछियां, ऐंठी, बन्धा, फुली, धमेल नांगमोरी, खोंचनी, मुंदरी, सुर्रा, सुता, पटा, पुतरी, ढार, नकबेसर की छटा से भी दर्शक रूबरू हो पाएगें। आदिम पर्वों के अन्तर्गत करसाड़ भीमा जतरा, बाली परब, दियारी तिहार, लक्ष्मी जगार, नवाखानी, माटी तिहार, लारूकाज, धनकुल, गोंचा पर्व, बीज बोहनी, छेरता पर्व की भी धूम बस्तर पंडुम में रहेगी।

भक्तों की मनोकामना ज्योत जलाए रखने 45 डिग्री सेल्सीयस में दे रहे सेवा

एक दर्जन सेवादार ज्योति कलश भवन में दिन-रात तैनात

जगदलपुर 1अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)। चैत्र नवरात्र पर्व पर एक ओर जहां श्रद्धालु मां भगवती की उपासना में लीन हैं, वहीं दूसरी एक दल ऐसा भी है जो 45 डिग्री से अधिक तापमान में लगातार ज्योतिकलश की सेवा में लगे हुए है। नवरात्रि पर्व शुरू होते ही जिले के विभिन्न मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए हैं। लोग बड़ी आस्था के साथ देवी स्थलों में दीप प्रज्वलित किये है। लोगों के आस्था के दिप को बनाये रखने 12 सेवादार दंतेश्वरी मंदिर में दिन-रात सेवा दे रहें है।

चैत्र नवरात्रि पर्व 31 मार्च से शुरू हुआ है। जिले के विभिन्न मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए हैं। लोग बड़ी आस्था के साथ देवी स्थलों में दीप जलाते हैं। बस्तर के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक दंतेश्वरी मंदिर में देश के अलावा विदेशों से भी श्रद्धालुओं ने मनोकामना दीप प्रज्ज्वलित किया है। मंदिर में 12 लोगो का एक सेवा दल 24 घंटे तैनात है। सेवादार पूरे नौ दिन तक 45 डिग्री से भी अधिक तापमान में ज्योति कलश की सेवा करते रहते हैं। दल के लोग कक्ष में जाकर समय-समय पर ज्योति कलश में तेल डालते रहते हैं। आस्था और विश्वास के प्रज्वलित मनोकामना ज्योत को जलाये रखे है।

इन सेवादारों के हाथ जिम्मा

माँ दंतेश्वरी मंदिर में पहुंचे श्रद्धालु माता के दर्शन उपरांत ज्योति कलश के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। मंदिरों में प्रतिवर्ष चैत्र और शारदीय नवरात्र में मनोकामना दीप प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। मनोकामना ज्योति कलश की देखभाल का जिम्मा साधु, मुन्नालाल, भरत, रवि और गोपाल के साथ दल के अन्य सेवादार का है। इनका कार्य निश्चित ही सराहनीय व श्रद्धा से पूरिपूर्ण है। नौ दिन तक दल के सदस्य कहीं नहीं जाते और दिन रात ज्योति कलश की देखभाल करते रहते हैं।

आज पंचमी पर होगी पूजा

नगर के दंतेश्वरी मंदिर में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु मनोकामना ज्योत प्रज्वलित किए है। बुधवार को पंचमी के अवसर पर विशेष पूजा अर्चना किया जाएगा। मंदिर के पुजारी ने बताया कि लगभग 2 हजार 300 से अधिक लोग मनोकामना ज्योत जलाये है।

एमएसडब्ल्यू अध्ययन शाला के सात दिवसीय ग्रामीण शिविर का शुभारंभ

जगदलपुर, 1 अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के समाज कार्यअध्ययनशाल में अध्ययनरत एमएसडब्ल्यू द्वितीय सेमेस्टर के छात्र - छात्राओं द्वारा ग्राम पंचायत तितीरगांव में सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 31 मार्च से 6 अप्रैल तक सात दिवसीय ग्रामीण शिविर ग्राम पंचायत तितिरगांव जगदलपुर बस्तर

ग्रामीण शिविर के तहत समाजकार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. तूलिका शर्मा अतिथि व्याख्याताएं सुश्री एलिस एंजिल तिर्की , सुश्री श्रद्धा डोंगरे के नेतृत्व में 22 विद्यार्थियों द्वारा सात दिवसीय ग्रामीण शिविर का आयोजन किया जा रहा है । ग्रामीण शिविर में विद्यार्थियों द्वारा गांव के विभिन्न पक्षों का अध्ययन किया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. तूलिका शर्मा ने बताया कि पाठ्यक्रम में सात दिवसीय शिविर अनिवार्य होता है। इसी के तहत विद्यार्थी तीतरगांव के पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और स्वास्थ्यगत पक्षों का अध्ययन कर रहे हैं विश्वविद्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर तितीर गांव है। यहां की महिला सरपंच श्रीमती खीरमानी कश्यप ने बताया कि पंचायत में 11 वार्ड है जिनकी जनसंख्या लगभग 2000 है । इस साथ दिवसीय शिविर के द्वारा विद्यार्थी गांव के परिवेश में समय बिताकर वहां की समस्याओं और विशेषताओं को नजदीक से जानेंगे । विद्यार्थियों द्वारा प्राथमिक डाटा का संकलन किया जाएगा और उसके आधार पर प्रतिवेदन कार्य किया जाएगा।

माँ दुर्गा मंदिर से मातृशक्ति आज निकालेंगी चुनरी यात्रा

जगदलपुर 1 अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)। विश्व हिंदु परिषद की मातृ शक्ति के तत्वावधान में 2 अप्रैल की दोपहर को चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। यह चुनरी यात्रा शांतिनगर दुर्गा मंदिर से निकाली जानी है। दोपहर तीन बजे यहां से विभिन्न समाज संगठन की मातृ शक्तियां चुनरी को हाथ में थामकर शोभायात्रा निकालेंगी। यह शोभायात्रा दुर्गा मंदिर से होते हुए चांदनी चौक, स्टेट बैंक मार्ग, कोतवाली चौक, मेन रोड़ होते दंतेश्वरी मंदिर पहुंचेगी। यहां माता दंतेश्वरी को यह चुनरी भेंट की जाएगी। चुनरी भेंट करने के बाद आरती गायन होगा।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मातारानी की चुनरी यात्रा निकाली जानी है, जिसमें शहर के ही नहीं क्षेत्र के आस पास की माताएं, बहने, बच्चों के साथ बड़ी संख्या मे युवा, पुरुष भी सम्मिलित होते है। इस विशेष कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु मातृशक्ति द्वारा लगातार बैठक कर निर्णय लिया गया है। चुनरी यात्रा निकालने का उद्देश्य प्रदेश व क्षेत्र वासियों पर माता रानी की कृपा बनी रहे साथ ही सभी का कल्याण हो। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जबित। मंडावी ने सभी मातृशक्ति का आवाहन करते हुए कहा बताया कि इस अवसर का लाभ सभी भक्तजनो को लेना चाहिए। जिससे उन पर मां का आशीर्वाद बना रहे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए मातृशक्ति संयोजिका हेमा गुरुवार ने बताया कि यात्रा 2 अप्रैल को 2 बजे से प्रारंभ होगी।

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम में बस्तर जिले के 110 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

नोडल अधिकारी के साथ प्रतिभागियों का दल हुआ रवाना

जगदलपुर, 1 अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)। राज्य शासन द्वारा बस्तर की समृद्ध जनजातीय कला एवं संस्कृति के धरोहर को पुनर्जीवित कर इसे वैश्विक पटल पर रखने सहित स्थानीय जनजातीय समुदाय के लोगों को अमिट पहचान और समुचित सम्मान दिलाने के उद्देश्य से बस्तर पंडुम यथा बस्तर का उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में ब्लॉक स्तर और जिला स्तरीय बस्तर पंडुम आयोजन के पश्चात बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी की धरा दन्तेवाड़ा में कल 02 अप्रैल से संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम का आगाज हो रहा है। इस संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम में बस्तर जिले के 110 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जिसमें लोक नाट्य कला, लोक वाद्ययंत्र, लोक गीत, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण, लोक शिल्प कला, जनजाति पेय पदार्थ एवं व्यंजन एवं मंडई नाचा विधाओं को शामिल किया गया है। साथ ही केवल संभाग स्तरीय आयोजन में जनजातीय रीति-रिवाज एवं तीज-त्यौहार पर आधारित प्रदर्शनी को समाहित किया गया है। कलेक्टर हरिस एस के निर्देशानुसार एवं सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में उक्त संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम में शामिल होने के लिए मंगलवार शाम बस्तर जिले की टीम उत्साह के साथ दन्तेवाड़ा के लिए रवाना हुई। इस दौरान सम्बन्धित नोडल अधिकारी उपायुक्त आदिवासी विकास विभाग जीआर सोरी, उप संचालक पंचायत बीरेन्द्र बहादुर और अन्य अधिकारी भी उक्त दल के साथ रवाना हुए।

अधिवक्तागणों को 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक मिली कोट पहनने से छूट

सफेद बैंड रिबन, ब्लैक कोट और व्हाइट शर्ट एडवोकेट में अनुशासन लाता है - सपन देवांगन

जगदलपुर, 1 अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)। वरिष्ठ अधिवक्ता सपन देवांगन ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अधिवक्ताओं को 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक ग्रीष्मकाल के दौरान न्यायालय में काला कोट पहनने से छूट मिल गई है, जो छत्तीसगढ़ राज्य विधिक परिषद द्वारा अधिवक्ता अधिनियम 1961 के नियम 4 के अधिवक्ताओं को ग्रीष्मकालीन अवकाश के समय न्यायालय में उपस्थिति हेतु कोट पहनने से छूट प्रदान की है।

अधिनियम 1961 के तहत अधिवक्ताओं को अदालतों में सफेद बैंड रिबन के साथ काले रंग का कोट पहनना अनिवार्य है। ऐसा माना जाता है कि ब्लैक कोट और व्हाइट शर्ट एडवोकेट में अनुशासन लाता है और न्याय के प्रति विश्वास को बनाए रखता है। सफेद नेक बैंड मासूमियत का प्रतीक है। इस छूट से अधिवक्ताओं को गर्मी के मौसम में काला कोट पहनने की परेशानी से राहत मिले गई है।

बजरंगी बाइक रैली निकाल दे रहे रामनवमी का आमंत्रण

नगर में निकलने वाली भव्य शोभायात्रा के लिए चल रही तैयारी

जगदलपुर 1अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंदल द्वारा श्री रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा निकालने सभी प्रखंड स्तर पर बाइक रैली निकाली जा रही है। इसके माध्यम से समस्त हिंदू समाज को आमंत्रित कर रहे हैं। लोगों को आमंत्रण देने के साथ ही नगर और गांवो में भगवा ध्वज बांध कर तैयारी में जुटे है। नानगुर प्रखंड के बाद 2 अप्रैल को लोहाण्डीगुडा प्रखंड में आमंत्रण बाईक रैली निकाली गई। 3 अप्रैल को दरभा और 5 अप्रैल को बस्तर प्रखंड में आमंत्रण बाईक रैली निकाली जाएंगी। चैत्र नवरात्रि पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने बाइक रैली निकालकर लोगों के शोभायात्रा का निमंत्रण दिया। लोहाण्डीगुडा के साथ आसपास के गांवो में रैली के माध्यम से लोगों को आह्वान किया गया कि वो शोभायात्रा में शामिल होकर उसे सफल बनाने आव्हान किया गया। इसके पूर्व नानगुर प्रखंड से रविवार को बाइक रैली मांझीगुड़ा छोटे मुरमा, चिलकुटी, काकरपाड़ा, नवागुडा, सुरंदवाड़ा, नागलसर, कोलावाडा, मिलकुलवाड़ा, चायपुर, गोरियापाल, गुहुपदर, राधारिखास, बिजलीपारा, चेचालगुर, गुड़िया, गुमलवाड़ा, कालागुड़ा, तिरिया, कावापाल, जोजल, पुसपाल, कैकागढ़, जड़ीगुड़ा, पदमुर, साड़गुड़ से निकाली गई। स्थानीय लोगों ने राम भक्तों की रैली का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। श्री रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा 06 अप्रैल को निकलेगी। रैली के बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया और प्रसाद वितरण हुआ। विश्व हिंदू परिषद के रवि ब्रह्चारी ने बताया कि, यज्ञ, मंदिर स्थापना, मूर्ति स्थापना, भगवा ध्वज बांधने के बाद सभी प्रखंड स्तर पर बाइक रैली निकाली जा रही है। इसके माध्यम से समस्त हिंदू समाज को आमंत्रित कर रहे हैं।

दुगईगुड़ा आवासीय विद्यालय के छात्र की मौत

आवापल्ली,1 अप्रैल (दण्डकारण्य समाचार)।उसूर विकास खण्ड के दुगईगुडा आवासीय विधालय मे अधययन रत कक्षा तीसरी के छात्र नीतीश धुर्वा की मौत हो गई है घटना के संबंध मे बताया गया है कि छात्र की कुछ दिनों से तबीयत खराब थी बीमारी के चलते छात्र के परिजन उसे अपने गांव जिनीप्पा ले गए थे लेकिन छात्र की सिथति मे कोई सुधार नहीं हो पाया और अन्ततः छात्र की मौत हो गई।

इस मामले मे परिजनों का आरोप है कि समय पर छात्र का इलाज कराया जाता तो शायद छात्र को बचाया जा सकता था इस घटना को लेकर परिजनों मे काफी आक्रोश है इधर मामले की गंभीरता को.देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष के अगुवाई मे जांच दल का गठन किया है जो छात्र के परिजनों वा विधालय के छात्रों से घटना के बारे में जानकारी लेकर अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को देगें जांच के बाद ही छात्र के मौत का कारण स्पष्ट होगा।

मुद्रक व प्रकाशक विश्वरूप बोस द्वारा मालिक विश्वरूप बोस के लिए दण्डकारण्य समाचार, समाचार काम्पलेक्स, वृन्दावन बाग, जगदलपुर, बस्तर, छ.ग. से मुद्रित एवं समाचार काम्पलेक्स, वृन्दावन बाग, जगदलपुर, बस्तर, छ.ग. से प्रकाशित : प्रधान संपादक - श्रीमती मणिकुंतला बोस
संपादक - विश्वरूप बोस Post Box No.- 8, ☎ Office - 07782/227594 Fax- 07782/227593 E-mail: news@dandakaranyasamachar.com Website: www.dandakaranyasamachar.com